गिरना डिस्कवरी यान का

15

"सुनो..... सुनो..... सुनो....." ढम-ढम-ढम-ढम।

ढिंढोरची भालू ने ढोल पीटकर कहा, "हर आम और खास को सूचित किया जाता है, अगले चौबीस घंटों में इस जंगल में 'डिस्कवरी' नाम की एक अंतरिक्ष प्रयोगशाला गिरने वाली है। डिस्कवरी, यानी मौत का बवंडर। इसलिए सब लोग जंगल छोड़कर चले जाएँ। जो जितनी दूर भाग सके, भाग जाए।" ढम... ढम... ढम... ढम...।

ढिंढोरची भालू सारे जंगल में घोषणा कर रहा था। उसके साथ-साथ चल रहा था– निक्की खरगोश। ढिंढोरा सुनकर बहुत-से जानवर इकट्ठे हो जाते हैं। निक्की उन्हें समझाता, "मैंने खुद डिस्कवरी को नीचे आते देखा है। यह किसी खबर एजेंसी की गप्प नहीं है। बस यूँ समझो कि डिस्कवरी गिरा और हम सब मौत के मुँह में गए।"

एक खूसट तेंदुआ वहीं खड़ा था। उसने कहा, "अरे, क्यों झूठ बोल रहा है? डिस्कवरी तो कब का उतर चुका है। उसके उतरने से पहले अमेरिका ने सारी दुनिया को खबर कर दी थी। अब यह दूसरा डिस्कवरी कहाँ से आ गया?"

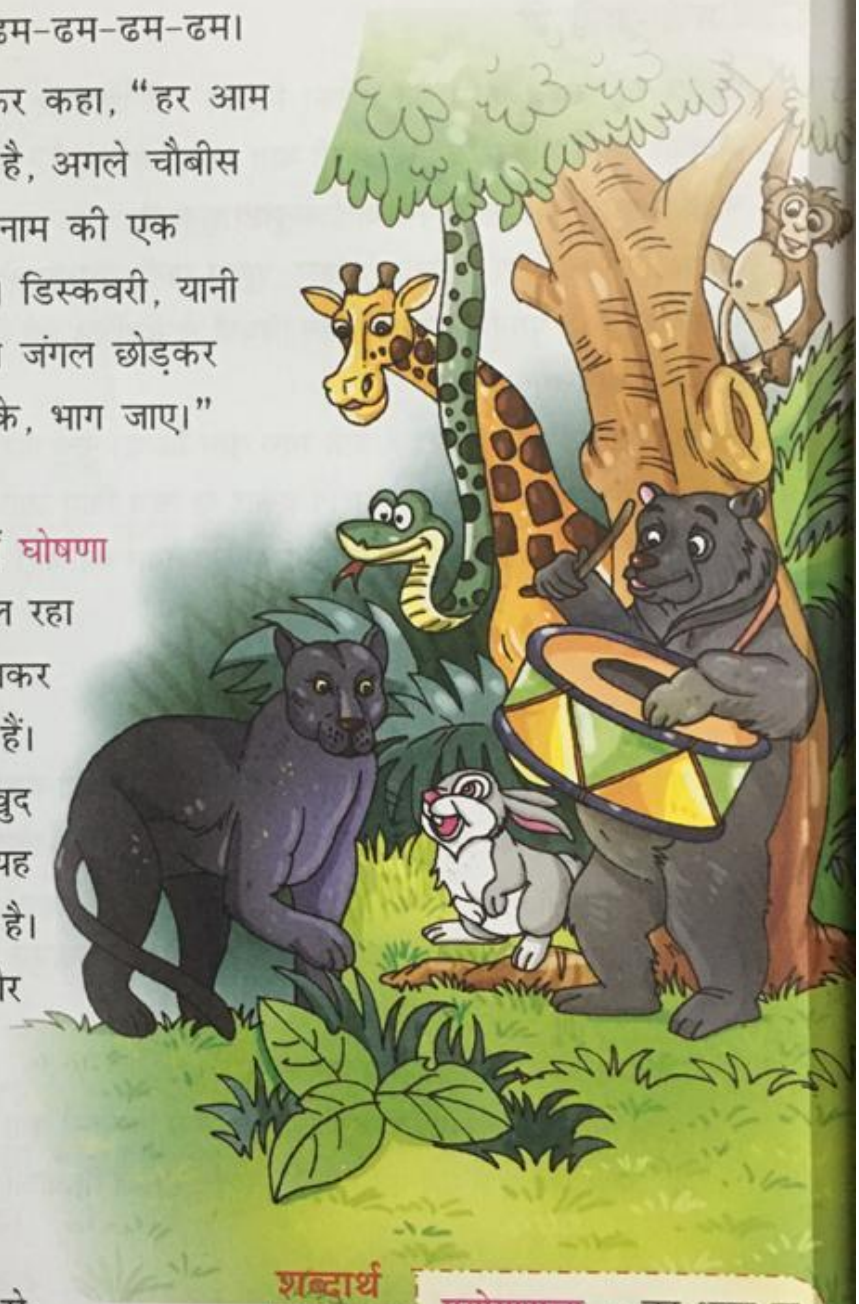

शब्दार्थ

प्रयोगशाला – वह भवन या कमरा जिसमें वैज्ञानिक प्रयोग किए जाते हों; **बवंडर** – आँधी, तूफ़ान; **घोषणा** – प्रजा के बीच राजा का आदेश सुनाना।

"अंकल, इसे भी अमेरिका ने ही छोड़ा है। यह गुप्त डिस्कवरी था। दरअसल उसे उतारने में अमेरिका का कंट्रोल खत्म हो गया है तो वो उसे जंगल में गिरा रहे हैं। उसमें कोई इनसान नहीं है। चूँकि वह जंगल में गिरेगा, इसलिए इनसानों की बस्ती में इसके बारे में कोई ऐलान नहीं हुआ। वह तो कल रात मुझे अचानक पता लग गया इसलिए सबको सावधान कर रहा हूँ।"

अंकल तेंदुआ बड़बड़ाने लगा, "ये दुनिया भी अजीब है। न जाने कितने काम चुपचाप ही हो जाते हैं।"

खनको लोमड़ी बोली, "बेटा निक्की, यह काम अमेरिका का ही होगा। ज़रा जंगल-चौकी से टेलीफ़ोन करके पूछो– डिस्कवरी कहाँ गिरेगा?"

चटखोरी बिल्ली बोली, "निक्की बेटा, क्या वो डिस्कवरी दुबारा उड़कर चाँद-सितारों की दुनिया में जाएगा और अगर ऐसा हो तो एक टिकट मेरे लिए भी ले लेना।"

कोई कहता "अजी डिस्कवरी तो आग का गोला है, गोला। जिसने उसकी चमक देखी, वह अंधा हो गया। उसका धुआँ अगर किसी ने साँस के साथ खींच लिया, तो वह पागल हो गया।"

ऐसी बातों को सुन-सुनकर जानवरों के मन में बराबर डर समाता जा रहा था। ऐसे मौकों पर ज्योतिषी बंदर उन्हें सहारा दिया करता है। सबने उसे घेर लिया। थोड़ा सोचकर बंदर बोला, "घोर अनिष्ट होने वाला है। आकाश से भगवान इंद्र का छोड़ा हुआ अग्निबाण गिरने वाला है। उसके ताप से कोई नहीं बचेगा। दूर-दूर तक धरती सूख जाएगी। वर्षा नहीं होगी। इस मुसीबत से बचने का एक ही उपाय है– फल, मिठाई, धन-दौलत दान दो। भजन-पूजन करो।"

"यह झूठा है..... ढोंगी है।" फ़क़ीरा लंगूर कह रहा था– "वह मौत का तूफ़ान था। मैंने उसे काले पहाड़ की तरफ़ मोड़ दिया है। अब तुम बेखटके मौज मनाओ।"

चिंतित और परेशान जानवरों के समूह इधर-उधर भटक रहे थे। आखिर मामला शेर तक पहुँचा। शेर ने तुरंत अपने मंत्री को आदेश दिया, "अमेरिका को फ़ोन लगाओ। यह क्या मज़ाक है! दूसरा डिस्कवरी कहाँ से आ गया?"

लेकिन फ़ोन लगाना संभव न था। जंगल-चौकी में कई शिकारी ठहरे हुए थे। जानवरों की बेचैनी देखकर शेर ने अपने गुप्तचरों

शब्दार्थ सावधान – सचेत, सतर्क; घोर अनिष्ट – बहुत बुरा; बेखटके – बिना किसी हिचक संकोच के; गुप्तचर – भेदिया, जासूस।

को बुलाया। पता चला कि एक खरगोश ने ढिंढोरची भालू की मदद से डिस्कवरी गिरने की घोषणा करा दी है। शेर ने उन दोनों को पकड़ लाने का आदेश दिया।

पूछताछ करने पर भालू बोला, "हुजूर वह जहाँ गिर रहा है, कल रात मैं वहीं था। आपको याद होगा, कल रात खूब बादल गरजे थे, बिजली कड़की थी, तेज़ आँधी चली थी।"

"हाँ, फिर?"

"बस, वही तो डिस्कवरी गिरने की सूचना थी। मैंने धमाका खुद सुना है, जैसे बादल फट पड़ रहे हों। बस अब वह धीरे-धीरे नीचे आ रहा है।"

"चलो, हम वह जगह देखेंगे।" शेर ने कहा।

जंगल के जानवरों के साथ शेर उस जगह पर आया। निक्की खरगोश बोला, "बस हुजूर, रात में मैं यहीं सोया था। डिस्कवरी इसी पेड़ से झाँककर ऊपर से नीचे गिरते देखा था। अब धीरे-धीरे सरक रहा है।" डर के मारे सबका बुरा हाल था। सब उस पेड़ से दूर खड़े थे। शेर ने पेड़ के ऊपर देखा। फिर ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगा। ढिंढोरची भालू ने पेड़ के नीचे जाकर डालियों में उलझे रहस्य को समझ लिया। वह भी ज़ोर-ज़ोर से ढोल पीटकर ऐलान करने लगा, "सुनो..... सुनो..... डिस्कवरी का खतरा टल गया है। दरअसल यह डिस्कवरी नहीं, इस पुराने बरगद का सूखा पत्ता था जिसे खरगोश की छोटी आँखों ने डिस्कवरी समझ लिया। ढम... ढम... ढम...।" सारे जानवर खिलखिलाकर हँस पड़े। निक्की खरगोश मौका पाकर वहाँ से खिसक गया।

अध्यापकों के लिए

भागना और दौड़ना–दोनों शब्द कार्य व्यवहार में एक से हैं, लेकिन भागने में कहीं-न-कहीं 'भय' छिपा है; जैसे–सिपाही को देखते ही चोर भाग गया। यहाँ 'दौड़ गया' शब्द उचित नहीं।

'दौड़ना' एक ऐसी क्रिया है जो निर्द्वंद्व है, जिसमें न तो भय है और न ही लज्जा का भाव। वह प्रतिदिन दौड़ता है। वह दौड़ में प्रथम आया है; जैसे–वाक्यों में स्पष्ट है।

अनिष्ट–अन् + इष्ट से बना है। इष्ट का अर्थ है–चाहा गया, कामना किया गया, प्यारा, अनुकूल आदि। 'अन्' निषेधवाची उपसर्ग है, अतः अनिष्ट का अर्थ हुआ अनचाहा, अप्रिय, प्रतिकूल आदि।

जो शब्द 'स्वर' से आरंभ होते हैं, उनके साथ 'अन्' लगाया जाता है; जैसे–अर्थ, आवश्यक, इष्ट से, अनर्थ, अनावश्यक, अनिष्ट आदि। जो शब्द 'व्यंजन' से आरंभ होते हैं, उनके साथ 'अ' लगाया जाता है; जैसे–हित, भाव, समान से अहित, अभाव, असमान आदि।

Class 5 Hindi II L-15

पाठ 15 गिरना डिस्कवरी यान का (सारांश)

Summary of lesson 15

इस कहानी में संकट आने पर धैर्य एवं सूझ-बूझ से काम लेने की शिक्षा दी गई है। हमें किसी की बात पर आँख मूँदकर भी विश्वास नहीं करना चाहिए। कई बार धोखा मिलने की संभावना रहती है। इसी उद्देश्य को 'गिरना डिस्कवरी यान का' में प्रकट किया गया है। एक बार जंगल में खरगोश (निक्की) गलती से बरगद के सूखे पत्तों को डिस्कवरी यान समझ लेता है। डिस्कवरी यान के गिरने की सूचना अपने साथी जानवरों को देता है। जंगल के सभी जानवर परेशान हो जाते हैं। अपने प्राणों को संकट में देखकर सभी जानवर ज्योतिषी बंदर के पास जाते हैं। वह बंदर भी दान-पुण्य करने की सलाह देता है। इस समस्या का हल जंगल का राजा शेर निकालता है। वह घटना स्थल पर जानवरों के साथ जाता है और इस रहस्य से पर्दा हटाता है।

शब्दार्थ

शब्द		अर्थ
प्रयोगशाला	-	वह भवन या कमरा जिसमें वैज्ञानिक प्रयोग किये जाते हों
बवंडर	-	आँधी, तूफ़ान
घोषणा	-	प्रजा के बीच राजा का आदेश सुनाना
सावधान	-	सचेत, सतर्क
घोर अनिष्ट	-	बहुत बुरा
बेखटके	-	बिना किसी हिचक संकोच के
गुप्तचर	-	भेदिया, जासूस

प्रश्नोत्तर

= ढिंढोरची भालू ढोल पीट-पीटकर किस बात की घोषणा कर रहा था?
: ढिंढोरची भालू ढोल पीट-पीटकर यह घोषणा कर रहा था कि चौबीस घंटों में जंगल में डिस्कवरी नाम की एक अंतरिक्ष प्रयोगशाला गिरने वाली है।

= चटखोरी बिल्ली ने ऐलान सुनते ही निक्की खरगोश से क्या कहा?
: चटखोरी बिल्ली ने ऐलान सुनते ही निक्की खरगोश से कहा कि डिस्कवरी दुबारा उड़कर चाँद-सितारों की दुनिया में जाएगा और अगर ऐसा हो तो उसके लिए भी एक टिकट ले आना।

03= अमेरिका को फ़ोन लगाना संभव क्यों न था?
उ०= अमेरिका को फ़ोन लगाना संभव न था, क्योंकि जंगल-चौकी में कई शिकारी ठहरे हुए थे।

04= जंगल में डिस्कवरी के बारे में कैसी अफ़वाहें फैल रही थीं?
उ०= जंगल में डिस्कवरी के बारे में अलग-अलग प्रकार की अफ़वाहें फैल रही थीं कि डिस्कवरी तो जंगल में गिरने वाला है। निक्की खरगोश का दावा था कि उसने उसे नीचे आते भी देखा है। कोई उसे आग का गोला कहकर सभी को डरा रहा था कि जिसने उसकी चमक देखी, वह अँधा हो गया। उसका धुआँ अगर किसी ने साँस के साथ अंदर ले लिया, तो वह पागल हो गया।

05= ज्योतिष बंदर की किस बात को सुनकर जानवर उलझन में पड़ गए?
उ०= ज्योतिष बंदर की घोर अनिष्ट होने की बात को सुनकर जानवर उलझन में पड़ गए कि आकाश से भगवान इंद्र का छोड़ा हुआ अग्निबाण गिरने वाला है। उसके ताप से कोई नहीं बचेगा। दूर-दूर तक धरती सूख जाएगी। वर्षा भी नहीं होगी।

Teacher's Signature

प्र०6= शेर ने सच बात का पता कैसे लगाया ?

उ०= शेर ने सच बात का पता इस प्रकार लगाया कि वह जंग के सभी जानवरों के साथ उस जगह पर आया। उसने पेड़ के ऊपर देखा जिसमें खरगोश ने डिस्कवरी होने का दावा किया था, पर वहाँ कुछ नहीं था।

प्र०7= डिस्कवरी का सच क्या था ?

उ०= डिस्कवरी का सच यह था कि वास्तव में वह डिस्कवरी न होकर पेड़ की डालियों में लटका पुराने बरगद का सूखा पत्ता था, जिसे खरगोश की छोटी आँखों ने डिस्कवरी समझ लिया।

new words with english meanings.

सूचित	-	Inform
प्रयोगशाला	-	laboratory
अंतरिक्ष	-	space
बवंडर	-	storm
घोषणा	-	announcement
ढिंढोरा	-	drummer
खूसट	-	rude
सावधान	-	alert
तेंदुआ	-	leopard
बेखटके	-	boldly
समूह	-	group
शिकारी	-	hunter
गुप्तचर	-	detective
धमाका	-	blast
रहस्य	-	secret

इस पाठ को अच्छी तरह पढ़कर शब्दार्थ और प्रश्नों के उत्तर अच्छी तरह याद कीजिए।

—※—

Teacher's Signature